दैनिक भारतीय बस्ती

गांधी जयंती की शुभकामनाएं

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 70 बुधवार 2 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गांधी जयन्ती पर शुभकामना

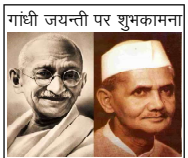

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती अवसर पर देश की एकता, अखण्डता को सबल बनाने का संकल्प लें।– **सम्पादक**

कौमी तंजीम के न्याय सम्मेलन के लिये तैयारी बैठक 3 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल इण्डिया कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष तालिब अली 3 अक्टूबर को बस्ती आ रहे है। वे स्काउट भवन के निकट स्थित प्रदेश सचिव सुबुही निकहत के आवास पर आयोजित बैठक को सम्बोधित करेंगे।

यह जानकारी देते हुये ऑल इण्डिया कौमी तंजीम के मण्डल अध्यक्ष महबूब आलम ने बताया कि आगामी 26 अक्टूबर को लखनऊ के आडिटोरियम में आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में भागीदारी पर चर्चा करेंगे। कौमी तंजीम के प्रदेश महासचिव अतीउल्ला सिद्दीकी, प्रदेश प्रवक्ता अवधेश सिंह और जिलाध्यक्ष डा. मारूफ अली ने बताया कि सांसद एवं ऑल इण्डिया कौमी तंजीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष तारिक अनवर के आवाहन पर बस्ती से बड़ी संख्या में कौमी तंजीम और कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता सामाजिक न्याय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके लिये व्यापक सम्पर्क किया जा रहा है।

सरयू तटबंध के किनारे मिला नवजात का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के दुबौलिया थानाक्षेत्र के अति–संवेदनशील तटबंध कटरिया चांदपुर तटबंध पर नई दुनिया गांव के निकट सरयू नदी में मंगलवार की सुबह एक नवजात का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार नवजात बच्ची के बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। देखने से नवजात की उम्र दो–तीन दिन आंकी जा रही है। शव एक दिन पुराना लग रहा है।

फंदे से लटकता मिला महिला का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थानाक्षेत्र के कुढवा गांव में एक महिला का शव घर में फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला का पति बाहर रहता है।

एसओ नगर बजार देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। थानाक्षेत्र के कुढवा निवासी अनिता की शादी राकेश कुमार के साथ 2017 में हुई थी। उनकी दो बेटियां सात साल की हिमांशी और पांच वर्षीय कृति है। राकेश काम–धंधे के चक्कर में दूसरे प्रांत में रहता है। बताया जा रहा है सोमवार की देर रात अनिता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

बापू–शास्त्री जयन्ती पर अनेक आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में बापू–शास्त्री जयन्ती पर अनेक आयोजन किये गये है। प्रभातफेरी, ध्वजारोहण के साथ स्कूलों में विविध कार्यक्रम होंगे।

यूपी कैबिनेट बैठक में 25 प्रस्तावों पर लगी मुहरः दो विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी,

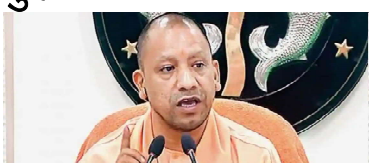

लखनऊ (आभा)। यूपी कैबिनेट की 25 प्रस्तावों पर मुहर लग गई है। कैबिनेट बैठक में 2 प्राइवेट विश्वविद्यालयों को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा खरीफ विपणन 2024 में मूल्य समर्थन योजना के तहत मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद समेत कई प्रस्तावों को मंजूरी मिला है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान हर साल 5 लाख का लोन बिना लोन का दिया जाएगा।। इसमें हर साल एक लाख युवाओं को लोन दिया जाएगा। जो समय से लोन वापस करेंगे उन्हे 10 लाख को लोन देंगे। तब ब्याज मे 50 प्रतिशत की रिबेट दिया जाएगा।

बैठक में विद्या विश्वविद्यालय मेरठ व केडी विश्वविद्यालय मेरठ की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। वहीं, उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति पर सहमति जता दी गई है।

बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2024 में मूल्य समर्थन योजना के तहत मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद को मंजूरी दी गई है। प्रदेश के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को पीपीपी बोर्ड पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ बिल्ड ऑन एन ऑपरेट फेस पर सोलर पार्क विकसित किए जाने को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, औद्योगिक निवेश नीति के संशोधन को मंजूरी मिल गई है।

शिक्षा मित्रों को मिल सकता है दीपावली का उपहार

जबकि दूसरी ओर योगी सरकार बेसिक शिक्षा शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मियों को दिवाली पर तोहफा दे सकती है। सेंट्रल पैरिटी नीति के तहत प्रदेश में कार्यरत शिक्षामित्र, रसोइये, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री तथा संविदा एवं आउटसोर्सिंग पर काम कर रहे शिक्षा कर्मियों के मानदेय अथवा वेतन में वृद्धि करने पर सरकार विचार कर रही है। इसके तहत बेसिक शिक्षा विभाग के दफ्तरों एवं स्कूलों से मानदेय, संविदा, आउटसोर्सिंग एवं दैनिक वेतन पर काम करने वाले शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों का पूरा ब्योरा तलब किया गया है। स्कूल शिक्षा महानिदेशालय ने सोमवार को सभी डायट व निदेशक, एससीआरटी, निदेशक साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा, निदेशक एमडीएम समेत समस्त डीआईओएस एवं बीएसए से एक सप्ताह में संबंधित संपूर्ण ब्यौरा तलब किया गया है।

दरअसल, केन्द्र सरकार ने पिछले माह अलग–अलग श्रेणी के श्रमिकों के दैनिक वेतन में वृद्धि करने का ऐलान किया है। चूंकि कोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार का भी प्रदेश के शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों के साथ लिखित समझौता है कि केन्द्र के समान ही राज्य सरकार के सरकारी शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ–साथ सरकारी उपक्रमों में कार्य करने वाले को भी वेतन भत्ता आदि दिया जाएगा।

मेधा ने बापू-शास्त्री को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के संयोजन में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयन्ती की पूर्व संध्या पर गांधी कला भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी ने कहा कि यह संयोग ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती एक ही दिन है। दोनों महापुरुषों ने देश को आजादी दिलाने और निर्माण में जो योगदान दिया इसके लिये वे युगों तक याद किये जायेंगे।

बापू–शास्त्री को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', सुनील भट्ट, नरेन्द्र मिश्र, दीपक पाण्डेय, प्रमोद यादव, विपुल पाण्डेय, प्रशान्त मिश्र, विपिन पाण्डेय, राहुल तिवारी आदि शामिल रहे।

वृद्ध जनों के आदर से ही समाज विकसित और खुशहाल होगा- राम नरेश सिंह मंजुल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर मंगलवार को वृद्धा आश्रम बनकटा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम नरेश सिंह मंजुल ने कहा कि वृद्ध जनों के आदर से ही समाज विकसित और खुशहाल रहेगा, हमें उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिये। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल ने कहा कि वृद्ध जनों को न्याय दिलाने के लिये वे सदैव तत्पर है। इस अवसर पर वृद्धा आश्रम के सभी लोगों में फल, वस्त्र मिष्ठान वितरित करने के साथ ही डा. राम नरेश सिंह मंजुल, बी.एन. शुक्ल , श्याम प्रकाश शर्मा, साधू शरण शुक्ल, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश पाण्डेय, रामदत्त जोशी, पं. सदानन्द शर्मा, प्रदीप श्रीवास्तव, छोटेलाल वर्मा, जलालुद्दीन कुरेशी, मुन्ना को उनके योगदान के लिये अंग वस्त्र, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

-अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर सम्मानित हुये वरिष्ठ नागरिक

कार्यक्रम का संचालन करते हुये वरिष्ठ अधिवक्ता एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के सचिव श्याम प्रकाश शर्मा, बी.के. मिश्र ने वृद्ध जनों की स्थिति, आवश्यकता, समाज के बदलते सन्दर्भों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि वृद्ध जनों को नई पीढी बोझ न समझे, वे नींव की ईट है। जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि वृद्ध जन परिवार, समाज और देश की महत्वपूर्ण कड़ी है। कहा कि वृद्ध जनों को आदर के साथ ही अवसरों की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में वृद्धाआश्रम के संचालक अतुल शुक्ल, अम्बिकेश्वरमणि त्रिपाठी, अजित शर्मा, गणेश चौधरी, सच्चिदानन्द श्रीवास्तव के साथ ही वृद्धा आश्रम के वृद्ध जन आदि उपस्थित रहे।

डांडिया, गरबा 13 कोः पोस्टर लांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शारदीय नवरात्रि पर कल्चरल क्वेस्ट नृत्यधाम अकादमी द्वारा आयोजित किये जाने वाले भव्य डांडिया, गरबा के आयोजन का पोस्टर जारी किया गया।

कल्चरल क्वेस्ट मास्टर शिव ने जिला अस्पताल निकट जे.पी. लान में पोस्टर लांच करने के बाद बताया कि 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाले एक दिवसीय डांडिया, गरबा के लिये इच्छुक कलाकारों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पोस्टर लॉन्चिंग के अवसर पर राज ललित कला अकादमी सदस्य डा. नवीन श्रीवास्तव, राहुल भैया अंशी , शालिनी, कमलेश, प्रतिमा सिंह, तनिष्क, गौरी, प्रियंका प्रजापति, कुंज, अंशिका सिंह, रतना आदि उपस्थित रहे।

काली सूची में डाली जाय मौत का गढ्ढा खोदने वाली जैक्शन कम्पनी –चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुदामा पाण्डेय ने विक्रमजोत विकास खण्ड के गोडसरा शुक्ल में जैक्शन कम्पनी द्वारा खोदे गए सुरक्षा मानक विपरीत गढ्ढे में डूबने से बीते 28 सितम्बर को हुए मासूम श्रेयांस के मौत मामले में कम्पनी के विरुद्ध कार्रवाई और उसे काली सूची में डालने की मांग किया है।

जिम्मेदारों द्वारा पर्दा डालने का प्रयास चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा के अथक प्रयास से अंततः विफल हो गया । घटना की जानकारी होते ही 28 सितम्बर को देर रात्रि में ही श्री पाण्डेय ने न केवल पीड़ित परिवार को 20 लाख रूपए आर्थिक सहयोग देते हुए जैक्शन कम्पनी पर कठोर कार्यवाही की मांग किया था अपितु 29 सितम्बर शनिवार को पीड़ित परिवार से मिलकर घटना स्थल का

-गढ्ढे में डूबने से मासूम के मौत मामले में जैक्शन कम्पनी ने पिता के आसुओं किया मोल-मृतक श्रेयांस के पिता के खाते में भेजा पांच लाख

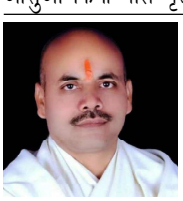

निरीक्षण किया व कम्पनी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था में अपनाई गई खामियों का उल्लेख करते हुए पीड़ित परिवार के साथ स्थानीय थाना छावनी पहुंचकर मुकदमा पंजीकृत करने हेतु प्रार्थनापत्र थान्हे के आमद रजिस्टर में रजिस्टर्ड कराया ।

मुकदमा पंजीकृत होने की स्थिति को भांपते हुए 30 सितम्बर दिन रविवार को कम्पनी के जेई अजय सिंह ने पीड़ित परिवार से मिलकर उसके आशुओं का मोल पांच लाख तय करते हुए एक रजिस्ट्रर्ड समझौता पत्र लिखा जिसमें कम्पनी के प्रतिनिधि के तौर पर जेई ने माना कि कम्पनी द्वारा खोदे गए सुरक्षा मानक विहीन गढ्ढे की वजह से 8 वर्षीय श्रेयांस की मौत हुई किन्तु परिजन कानूनी लड़ाई न लड़ें इस के लिए कम्पनी पांच लाख देगी। इसके क्रम में कम्पनी ने अपने एकाउंट से मुकेश शर्मा के खाते में पांच लाख रूपया डालकर इस बात की पुष्टि भी कर दिया । पीड़ित पिता को मिले अहेतुक सहायता राशि को अपर्याप्त बताते हुए सामाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय ने कहा कि कानूनी दण्ड से बचने हेतु धनबल के हथकंडे पर जिले के आलाधिकारियों को ध्यान देते हुए आम जनमानस की सुरक्षा को ध्यान रखें बिना काम करने वाली कम्पनी को ब्लैकलिस्टेड करने व जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही की दिशा में कार्यवाही सुनिश्चित करना चाहिए । श्री पाण्डेय ने कहा कि जरूरत पड़ी तो हम ऐसी कम्पनी के विरुद्ध कोर्ट का भी दरवाजा खटखटायेंगे।

शक्ति सिंह हत्याकाण्ड में नागेश सिंह के साथ 5 आरोपितों के विरूद्ध गैर जमानती वारन्ट जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शक्ति सिंह मर्डर केस में मुख्यारोपी फरार भाजपा नेता राना नागेश प्रताप सिंह समेत फरार चल रहे पांचों आरोपितों के खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी हो गया है। सीजेएम की अदालत में थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह ने प्रार्थना–पत्र दिया।अदालत ने राना नागेश सिंह, रवि सिंह, शैलेश सिंह के अलावा विवेचना के दौरान प्रकाश में आए दो अन्य आरोपितों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू का आदेश जारी कर दिया। वहीं आरोपी मनोज शुक्ला को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस कुर्की व इनाम घोषित कराने की कार्रवाई भी करेगी। एसपी के आदेश पर गठित पुलिस टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी। लेकिन नागेश व अन्य आरोपितों का सुराग नहीं लग सका। इससे पहले पुलिस की टीम ने लखनऊ स्थित नागेश के आवास के साथ ही शहर में कंपनीबाग स्थित काम्पलेक्स व मैरेज हाल पर थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह की टीम दबिश देने पहुंची थी। हत्याकांड में नामजद आरोपी मनोज शुक्ला को गिरफ्त में लेकर हुई पूछताछ में भी पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। जिनकी मदद से पुलिस साक्ष्य संकलन में भी जुटी है। भाजपा नेता नागेश के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर को कब्जे में ले चुकी पुलिस को अभी तक इसका पासवर्ड नहीं मिल सका है। नगर थाने के रानीपुर निवासी शक्ति सिंह का अपहरण कर हत्या करने और शव छिपाने के आरोप में पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह के बेटे और भाजपा नेता राना नागेश प्रताप सिंह सहित चार को नामजद व अन्य पर खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

जम्मू कश्मीर का चुनावी भाग्य ईवीएम के हवाले

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण में मंगलवार को सात जिलों के 40 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 17.00 बजे तक औसतन 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान सर्वाधिक वोट छंब विधानसभा सीट पर डाले गए। चुनाव आयोग के मुताबिक उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 और बारामूला में सबसे कम 55.73 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके अलावा बांदीपोरा जिले में 63.33,जम्मू में 66.79, कठुआ में 70.53, कुपवाड़ा में 62.76 और सांबा जिले में 72.41 प्रतिशत मतदान हुआ।

रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांगः ओ.वी.सी. मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओ. वी.सी. मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि हरैया थाना क्षेत्र के माझिल गांव में देशराज यादव द्वारा किरन देवी सहित आम लोगों के आने–जाने के रास्ते पर किया गया अतिक्रमण हटवाया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि अनेको बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद मार्ग से अतिक्रमण नहीं हटवाया जा रहा है इसे लेकर नागरिकों में रोष है। मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने चेतावनी दिया कि यदि निर्देशों

का अनुपालन करकर शीघ्र अतिक्रमण न हटवाया गया तो मोर्चा आन्दोलन, धरना, प्रदर्शन को बाध्य होगा, 5 अक्टूबर को उप जिलाधिकारी हरैया का घेराव कर अतिक्रमण हटवाने की मांग किया जायेगा। इसके बाद भी यदि समुचित कार्यवाही न हुई तो 10 अक्टूबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया जायेगा।ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से आर.के. आरतियन, अमरनाथ शर्मा, सोनू शर्मा, विकास, विजय सिंह, सूरज, चन्दन, कृपाशंकर वर्मा, अमन शर्मा, मिन्टू, मल्लू कन्नौजिया आदि शामिल रहे।

वृद्ध दिवस पर सम्मानित किये गये वरिष्ठ नागरिक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में पेंशनर्स कक्ष में सम्पन्न हुई। संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने किया। बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर ई. रामचन्द्र शुक्ल और प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव को अंग वस्त्र, फूल मालाओं के साथ स्वागत करते हुये उन्हें सुदीर्घ जीवन की कामना किया गया।

एसोसिएशन जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने कहा कि वृद्ध जनों के आदर से ही समाज विकसित और खुशहाल रहेगा, हमें उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिये। जिस समाज और परिवार में वृद्ध जन उपेक्षा के शिकार हैं वहां खुशहाली नहीं आ सकती। जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि नई पीढी को यह समझना होगा कि वृद्ध जन हमारी कमजोरी नहीं ताकत हैं। उनकी उपेक्षा का ही

परिणाम है कि भारत जैसे देश में वृद्धा आश्रम बढ रहे हैं, यह बिखरते परिवार और बिगड़े संस्कार के लक्षण है। हमें इससे सतर्क रहना होगा। कहा कि जिस घर में वृद्ध जन प्रसन्न रहते हैं वहां ईश्वरीय कृपा बरसती है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि वृद्ध जनों का आदर हमारी संस्कृति का हिस्सा है, इसे अटूट बनाये रखना होगा।

कार्यक्रम में रामनाथ, विशुनचन्द श्रीवास्तव, देवी प्रसाद शुक्ल, नरेन्द्र देव मिश्र, राधेश्याम तिवारी, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, रामधीरज यादव, राधेश्याम तिवारी, श्रीगोपाल त्रिपाठी, देवनरायन प्रजापति, ओम प्रकाश मिश्र, छोटेलाल यादव, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, सुरेशधर दूबे, सुशाष चन्द्र श्रीवास्तव, गंगा प्रसाद पाण्डेय, दयाराम, शिव प्रसाद पाण्डेय, रमाकान्त मिश्र, श्रीमती प्रभावती, श्रीमती कमला दूबे, सोमन लाल, इस्लाम अंसारी, राम अचल शर्मा आदि शामिल रहे।

सहायक अध्यापक ने किया बहाली की मांगः कहां मेरे साथ षड़यंत्र हुआ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गौर विकास खण्ड कम्पोजिट विद्यालय पैकोलिया में तैनात सहायक अध्यापक पवन कुमार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मांग किया है कि वह निर्दोष है और उसे बहाल किया जाय। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में सहायक अध्यापक पवन कुमार ने बताया कि दलित होने के नाते कुछ लोग जाति सूचक गालियां देते हुये उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के साथ ही तरह–तरह का षड़यंत्र धन उगाही की नीयत से कर रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में सहायक अध्यापक पवन कुमार ने बताया कि वह गौर विकास खण्ड क्षेत्र के पैकोलिया आनान्तर्गत जलालाबाद का निवासी है। पूर्व में वह गौर विकास खण्ड क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय जलालाबाद में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत

था। जलालाबाद गांव के दान बहादुर पुत्र राम उजागिर, मनीष दूबे पुत्र राजेन्द्र दूबे, राजधर दूबे पुत्र रामशंकर, गिरजाशंकर पुत्र शक्तिधर, हरि प्रसाद पुत्र राम अचल, शनि पुत्र देवनरायन, राम प्रकाश दूबे पुत्र राम सुन्दर, अमन पुत्र विनोद, विवेक दूबे आदि दलित होने के नाते और गांव के विद्यालय में पढाने के कारण जलन रखते हैं। उन लोगों ने जलालाबाद गांव की महिला सोनी यादव पत्नी कनिकराम यादव को मोहरा बनाकर षड़यंत्र रचा । आये दिन धरना प्रदर्शन की धमकी देकर रूपये की मांग करते हैं। उसकी प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बताया कि 14 अगस्त की रात्रि को अश्लील गानों पर ठुमके लगाने का जो वीडियो सार्वजनिक हुआ उससे उसका कोई लेना देना नही है। कुछ लोगों ने षड़यंत्रपूर्वक विद्यालय का ताला तोड़कर उक्त कार्यक्रम कराया, उस समय वह घर पर थे। उन्होने घटना की लिखित सूचना पैकोलिया थाने को दिया किन्तु अभी तक दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सहायक अध्यापक पवन कुमार ने बताया कि वे निदोष हैं और दलित होने के नाते उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। मांग किया कि उन्हें बहाल करने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई किया जाय। वे पूरी तरह से निर्दोष हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 अक्टूबर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

ऑन लाइन ठगी के खतरे

कुलांचें भरते शेयर बाजार व सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दावों के बीच एक स्याह सच यह है कि भारतीय युवा सुनहरे सपनों की आस में दुनिया भर में मारे–मारे फिर रहे हैं। उससे भी ज्यादा दुखद यह कि वे बिचौलियों, दलालों व अपराधियों की साजिश से मानव तस्करी और साइबर अपराधों का शिकार बन रहे हैं। सुनहरे सपने दिखाने वाले ऑनलाइन विज्ञापनों से सम्मोहित होकर हमारे युवा ऐसे आपराधिक जाल में फंस जाते हैं कि वहां से उनका देश लौटना भी संभव नहीं होता। हमारे देश की काली भेड़ें इस साजिश का हिस्सा होती हैं। भारत के हजारों युवा दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में फंसे हैं और साइबर अपराध करने वाले नियोक्ताओं के चंगुल में फंसकर अवैध गतिविधियों को संचालित करने को मजबूर हैं। यह तथ्य भी कम चिंताजनक नहीं है देश में साइबर अपराध में लिप्त लोग ही हमवतन लोगों को संदिग्ध क्रिप्टोकरेंसी योजनाओं में निवेश करने को लुभा रहे हैं। जनवरी 2022 से मई 2024 तक विजिटिंग वीजा पर कंबोडिया, थाइलैंड,म्यांमार और वियतनाम की यात्रा करने वाले 73000 भारतीयों में 30,000 अभी तक वापस स्वदेश नहीं लौटे हैं। इनमें से आधे से अधिक साइबर गुलाम 20 से 39 वर्ष आयु वर्ग के हैं। उल्लेखनीय है कि इन लापता युवाओं की राज्यवार सूची में पंजाब शीर्ष पर है। इसके बाद महाराष्ट्र और तमिलनाडु का आंकड़ा है। निश्चित तौर पर यह हमारे नीति–नियंताओं की विफलता है कि अपने बच्चों को देश में उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देने में विफल हैं। सौभाग्य से भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी मिली है मगर हम उन्हें उम्मीदों के अनुरूप काम नहीं दे पा रहे हैं। वहीं यह हमारी कानून व्यवस्था व खुफिया तंत्र की विफलता भी है कि हमारे बच्चे आसानी से साइबर अपराध करने वाले गिरोहों के चंगुल में फंस जाते हैं। हाल ही में कुछ भारतीय युवाओं को म्यांमार के साइबर अपराधियों के अड्डे से मुक्त कराया गया था। इस साजिश के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है।

दरअसल, भारतीय युवाओं की अवैध रूप से भर्ती करने वाले एजेंट बड़ी चालाकी से युवाओं को अपने जाल में फंसाते हैं। भारतीय आईटी में दक्ष युवाओं को डेटा एंट्री व कॉल सेंटर ऑपरेटर पदों के लिये आकर्षक वेतन आदि की पेशकश की जाती है। एक बार जब ये युवा टूरिस्ट या अन्य वीजा के जरिये गंतव्य स्थल तक पहुंच जाते हैं तो उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। उनके लिए भय व असुरक्षा के बीच वहीं रहकर काम करना एक मजबूरी बन जाती है। उन्हें वे अवैध काम करने पड़ते हैं जो उनके नियोक्ता चाहते हैं। इस मामले में निगरानी के लिये केंद्र सरकार द्वारा गठित अंतर–मंत्रालयी पैनल ने कथित तौर पर बैंकिंग, आव्रजन और दूरसंचार क्षेत्रों की खामियों की पहचान की है। इस खतरे से मुकाबले के लिये अंतर–विभागीय सहयोग व तालमेल समय की मांग है। साइबर अपराधों व इस तरह की धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिये केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय ने दो करोड़ अवैध मोबाइल फोन कनेक्शन काटने का निर्णय लिया है। दरअसल, ये मोबाइल कनेक्शन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीदे गये थे। जिनका दुरुपयोग साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये किया जा रहा था। साइबर जालसाजों का दुस्साहस इतना बढ़ गया कि वे मशहूर उद्योगपति एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये ठगने में कामयाब हो गए। ऐसे हालात में अपराध नियंत्रण हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए, लेकिन इसके साथ ही इस संजाल की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की जानी चाहिए ताकि साइबर अपराधी भोले–भाले लोगों को अपने जाल में न फंसा सकें। यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल किए हुए है तो हमारी युवा प्रतिभाएं अन्य विकासशील देशों में नौकरी करने को क्यों मजबूर हो रही हैं? ये हमारी मजबूत अर्थव्यवस्था वाली छवि के विपरीत है। यदि मौजूदा समय में हम अपने देश में कुशल युवाओं को उनकी जरूरतों व आकांक्षाओं के अनुरूप नौकरी देने में विफल रहते हैं तो विकसित भारत का लक्ष्य दूर की कौड़ी बनकर रह जाएगा।

संकटग्रस्त दुनिया को गांधीवादी मरहम की जरूरत

–अविजित पाठक–

जब मैं मोहनदास करमचंद गांधी को याद करता हूं या उनकी लिखी किताबें 'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' और 'हिंद स्वराज' को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व–दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं, तो मेरे समक्ष विरोधाभास खड़ा हो जाता है। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसकी कठोर हकीकत पर सावधानीपूर्वक नजर डालने से कह सकते हैं कि गांधी की भावना नकारी जा रही है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्रों तक में। फिर भी, इस तमाम नकारात्मकता के बावजूद, मुझे यकीन है कि जख्मी हुई इस दुनिया को बचाने और ठीक करने के लिए हमें उनके विचार के साथ गंभीर जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है।

जब मैं मौजूदा अति–आधुनिक परम–राष्ट्रवादी काल में हमारी सामूहिक नियति पर नजर दौड़ाता हूं तो मुझे लगता है कि 'बढ़िया जीवनशैली' के मोहपाश में फंसकर हम अपनी पहचान को मुख्यतः बाजार–संचालित प्रचार से बहकाए गए बेलगाम उपभोक्तावाद और विशिष्टतावादी अहसास (जो चीज मेरे पास है वह किसी अन्य के पास नहीं) के खुमार में धुत्त एक अतिवादी योद्धा के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं। जैसे–जैसे हम अनवरत उपभोग के सिद्धांत को आत्मसात करने लगे हैं – जो कि नवउदारवादी बाजार के मूल सिद्धांत का एक तार्किक हश्र है दृ हमारी जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसी तरह, जैसे–जैसे हम अधिक से अधिक परम–राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं। देखा जाए तो, खुद को हिंदू बनाम मुस्लिम या भारत बनाम पाकिस्तान या फिर इस्राइल बनाम फलस्तीन के संकीर्ण पालों से मुक्त रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। हां, हम खुद को उस स्थिति में पाते हैं, जिसकी संज्ञा कई सामाजिक वैज्ञानिक 'जोखिमजदा समाज' के रूप में करते हैं दृ एक ऐसा समाज जो युद्ध, सैन्यवाद, आतंकवाद, अधिनायकवाद, और सबसे अधिक, जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। कोई शक नहीं, इस दुनिया में गांधीवादी भावना का जरा नामो–निशान बाकी नहीं है।

गांधी शायद हेनरी डेविड थोरो की भांति हमें अपनी कृत्रिम जरूरतें कम करने, आध्यात्मिक रूप से जाग्रत होकर सादगी पर जोर देने और पर्यावरणीय तंत्र के साथ समरसता बनाकर रहने का आग्रह करते हैं। गांधी हम से आंतरिक शक्ति, साहस, सत्य और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और अन्यायपूर्ण व्यवस्था (जैसे कि उपनिवेशवाद या जाति व्यवस्था) के विरुद्ध प्रतिरोध की कला का स्रोत अहिंसा, अपरिग्रह और सर्वोदय में खोजने का आह्वान करते हैं। संभवतः, गांधी की सोच के पीछे भगवद् गीता की कर्मयोग की धारणा और यीशु द्वारा पर्वत पर दिए अपने उपदेश में व्यक्त 'प्रेम की मुक्तिदायिनी शक्ति' का रचनात्मक सम्मिश्रण था।

इसके अलावा, औद्योगिक पूंजीवाद के संपूर्ण ढांचे की आलोचना करने के गांधी के तरीकों में 'दार्शनिक अराजकता' और रूमानियत के निशान खोजना कठिन नहीं है। हां, 'हिंद स्वराज' नामक अखबार में 'डॉक्टरों और वकीलों' पर की उनकी तीखी टिप्पणियां या काफी हद तक विकेन्द्रित ग्राम स्वराज के प्रति उनका लगाव यह दर्शाता है कि वे अपने वक्त में प्रचलित आधुनिकता की मानकीकृत धारणा से काफी अलग थे, चाहे यह बुर्जुआ औद्योगिक पूंजीवाद हो या मार्क्सवादी समाजवाद।

इसी तरह, जैसा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्पष्टतया व्यक्त किया है, जॉन रस्किन ने जिस तरह से श्रम की गरिमा को महत्व दिया और दमनकारी युग्मक दृ बौद्धिक बनाम शारीरिक– पर सवाल उठाया, उसका गहरा प्रभाव पड़ा। गांधी के विश्वदृष्टिकोण में किसान, बुनकर और बढ़ई डॉक्टरों और वकीलों से कम महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत में इस तरह की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया है, जिसमें विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान न पाकर हाथ– पैरों का उपयोग कर सीखें अर्थात व्यावहारिक शिक्षा, जिससे दिमाग एवं मन और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच नाता कायम होता है। यह मत भूलिए कि गांधी ने खुद 1910–13 के दौरान, दक्षिण अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में अपने साथ रहने वाले बच्चों या युवा शिक्षार्थियों के साथ काम करते हुए, एक 'शिक्षक' के रूप में, इसका प्रयोग किया था।

यहां, मैं अक्सर खुद से एक सवाल पूछता हूं कि इस अशांत समय में गांधी को फिर से खोजना, उनके विचारों के साथ आलोचनात्मक और रचनात्मक प्रयोग करना और न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए व्यवहार का दर्शन विकसित करना क्या संभव है? खैर, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि गांधी के आलोचक भी बहुत थे। हम जानते हैं कि रजनी पाल्मे दत्त जैसे लोगों ने ऐतिहासिक भौतिकवाद के अपने मार्क्सवादी सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए, गांधी के 'ग्राम स्वराज' या किसी किस्म के 'अहिंसक समाजवाद' को 'राम राज्य की रूमानी हसरतें' ठहराकर आलोचना की है। इसी तरह, जाति के सवाल पर डॉ. बीआर अंबेडकर कभी भी गांधी के दृष्टिकोण से सहज नहीं थे। और निश्चित रूप से, जैसा कि उनकी हत्या के पीछे की राजनीति से पता चलता है, उग्र हिंदू राष्ट्रवाद के हामियों का समूह गांधी और उनके अहिंसा और धार्मिक बहुलवाद के सिद्धांत से नफरत करता था।

इन आलोचनाओं के बावजूद, तथ्य यह है कि गांधी से 'बचना' मुश्किल है। इसका कारण यह है कि हमारी आधुनिकता दृ तर्क और मुक्ति के भव्य ज्ञानोदय वादों के बावजूद – विफल रही है। हम सर्वव्यापी हिंसा के दौर में जी रहे हैं दृ हिंसा जो तकनीकी–विज्ञान की है और इसकी यांत्रिक 'तर्कसंगतता' दुनिया को एक बड़े पैमाने की पर्यावरणीय आपदा की ओर ढकेल रही है, हिंसा जो निगरानी के नए उपकरणों से बनती है, जिसके माध्यम से आधुनिक राष्ट्र अपने नागरिकों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते हैं और यह लोकतंत्र के मौलिक सिद्धांतों का भी अवमूल्यन है, हिंसा जो धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद के विविध रूपों के एक साथ विकसित होने से बनती है, और सबसे ऊपर है, युद्ध का नियमितीकरण और सामान्यीकरण करना दृ एक युद्ध दूसरी लड़ाई की ओर ले जाता है!

तथापि, वे सब जो इस विद्रूप स्थिति द्वारा पैदा नैराश्य के चलते पंगु होने से इनकार करते हैं और मानते हैं कि इस दुनिया को बचाना अभी भी संभव है, वे मिसाल योग्य बदलाव करने के पक्षधर हैं दृ सत्ता की आक्रामकता से संवाद की सभ्यता की ओर, सब कुछ मेरा की बजाय बांटकर उपयोग करने की भावना बनाने की तरफ, धर्म को परम–राष्ट्रवाद के औजार के रूप में उपयोग करने की अपेक्षा प्रेम से परिपूर्ण सहृदयता एवं दूसरों को सहानुभूतिपूर्वक सुनने की योग्यता बनाने की ओर। या फिर उस दिशा में, जिसके लिए राजनीतिक दार्शनिक मार्था एकतरफा आर्थिक संपन्नता की बजाय शांति, समझौता एवं क्षमा को आत्मबल बनाने पर जोर देती हैं।

और अगर हम इस परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलना चाहते हैं, तो हमें गांधी और उनके द्वारा सुझाई पर्यावरणीय सततता, शांतिपूर्ण एवं समतावादी दुनिया बनानी पड़ेगी। वह जो अत्यधिक केंद्रीकृत, सत्तावादी तंत्र की निष्ठुर शक्ति होने की बजाय लोगों के अंदर आत्मिक शक्ति बनाने पर जोर देने वाली हो। इस राह का कोई और विकल्प नहीं है।

गांधी भले ही सर्वकला संपूर्ण नहीं थे, तो भी उनसे प्रभावित होने से बचा नहीं जा सकता।

–लेखक समाजशास्त्री हैं।

यूं ही कोई महात्मा गांधी नहीं हो जाता

–संजीव ठाकुर–

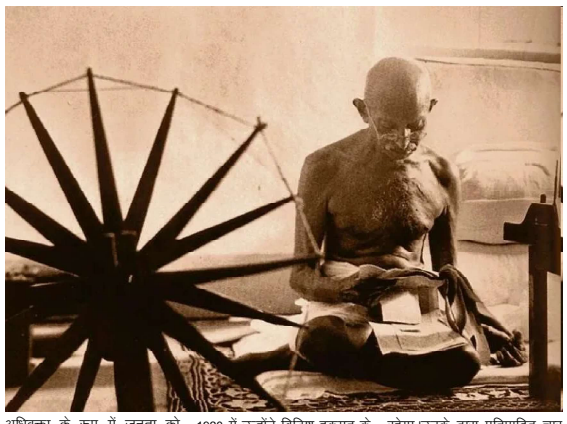

भारत के महान सपूत गांधी ने पूरे विश्व में भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में विश्व को अहिंसा का संदेश दिया और शायद कोई विश्वास करेगा कि अहिंसा से ही महात्मा गांधी ने भारत देश को परितंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराया और अंग्रेजों को भारत से रुखसत करने का दुष्कर कार्य किया। 2 अक्टूबर को गांधी जी के जन्मदिवस पर पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी युगकालीन अहिंसक वैचारिक क्रांति के एक बड़े और सशक्त सूत्रधार थे। यह भारत का सौभाग्य ही है कि 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में एक महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया था। जिनका पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। भावनगर के श्यामल दास कॉलेज में उनकी शिक्षा हुई तत्पश्चात उनके भाई लक्ष्मी दास ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया था। इंग्लैंड जाने से पहले मात्र 13 वर्ष की आयु में उनका विवाह कस्तूरबा गांधी से हो गया था। 1891 में गांधीजी इंग्लैंड से वकालत पास कर मुंबई में वकालत प्रारंभ कर दी थी। गांधी जी के समाज क्रांतिकारी जीवन का शुभारंभ 1893 में तब हुआ जब एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों एवं वहां के मूल निवासियों के साथ बुरा व्यवहार करते देखा था। वहां अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को भी कई बार अपमानित किया था। गांधी जी ने अंग्रेजों के अपमान के विरुद्ध मोर्चा संभालते हुए उनके विरोध के लिए सत्याग्रह और अहिंसा का मार्ग चुना था। दक्षिण अफ्रीका के दौरान उन्होंने अध्यापक, चिकित्सक और कानूनी अधिकार की लड़ाई के लिए अधिवक्ता के रूप में जनता को जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की और महत्वपूर्ण काम किए। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन कर समाज की सेवा की। उनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक ष्माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथष विश्व प्रसिद्ध आत्मकथा बनी। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के कार्यों तथा सतत प्रयत्नों की ख्याति भारत में फैल चुकी थी। और जब वे भारत लौटे तो उनका गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भव्य स्वागत किया। भारत में आते ही गांधी जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बिहार के चंपारण जिले के नीलहे किसानों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलानें का किया, 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह के फलस्वरूप ही चंपारण के किसानों का शोषण समाप्त हो पाया था। अहमदाबाद में आश्रम की स्थापना के साथ साथ अंग्रेज सरकार के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रारंभ हुआ और भारतीय राजनीति की बागडोर अब महात्मा गांधी के हाथों में आ चुकी थी। गांधीजी इस बात को अच्छे से समझ चुके थे कि सामरिक तौर पर अंग्रेजों से लड़ाई नहीं की जा सकती है, भारत को अंग्रेजों से मुक्ति लाठी बंदूक के बल पर नहीं प्राप्त हो सकती थी, इसीलिए उन्होंने सत्य और अहिंसा की शक्ति का सहारा लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1920 में उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने जब नमक पर कर लगाया तो गांधीजी ने 24 दिन की दांडी यात्रा आयोजित की 24 दिनों की यात्रा के पश्चात उन्होंने अपने हाथों से दांडी नामक स्थान पर नमक बनाया और सविनय अवज्ञा आंदोलन भी संचालित किया। इसी बीच गांधी इरविन समझौता के लिए गांधीजी इंग्लैंड भी गए पर अंग्रेजों की बदनियति के कारण यह समझौता मूर्त रूप नहीं ले सका, फल स्वरुप यह आंदोलन 1934 तक चलता रहा। 1942 में गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन चलाया गया जिसमें करो या मरो का नारा देकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एकजुट कर अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा खोला गया। गांधीजी तथा अन्य नेताओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अथक प्रयास से 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। 1920 से 1947 तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी की भूमिका के कारण इस युग को गांधी युग भी कहा जाता है। स्वतंत्रता के बाद भी गांधीजी का विरोध हिंदू और मुसलमान कट्टरपंथी लोग लगातार करते रहे। और 30 जनवरी 1948 को जब वे प्रार्थना सभा जा रहे थे तब उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। सत्य तथा अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का दुखद देहांत हो गया।

गांधी जी हमारे बीच नहीं है, पर उन्हें युगों तक याद किया जाता रहेगा।उनके द्वारा प्रतिपादित चार आधारभूत सिद्धांत सत्य, अहिंसा, प्रेम और सद्भाव को आज भी पूरे विश्व में करोड़ों लोगों द्वारा अंगीकार किया जा रहा है। सत्यमेव जयते जैसे राष्ट्रीय वाक्य के प्रेरणा स्रोत गांधी जी ही थे। गांधी जी द्वारा अपनाई अहिंसा का सही मतलब मन,वाणी तथा कर्म से किसी को आहत ना करना, उनके यह महान विचार थे कि अहिंसा के बिना सत्य का अन्वेषण असंभव है। महात्मा गांधी एक वैचारिक क्रांति के युग थे। गांधी जी सर्वधर्म समभाव के एक बड़े प्रेरणा स्रोत भी रहे। वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा भी उनके द्वारा प्रतिपादित की गई थी। उनके मन में सभी धर्मों के प्रति प्रेम तथा आदर भाव समाहित था, और यही वजह है कि गांधी जी को महात्मा गांधी और राष्ट्रपिता कहा जाता है।

गांधीजी की सरलता एवं सत्य अहिंसा के प्रति अनुराग के सामने अंग्रेज नतमस्तक होकर भारत को स्वतंत्र कर भारत छोड़ गए। अंग्रेज गांधी जी की सत्याग्रह तथा सहयोग से घबराकर भारत से दुम दबाकर भागे। गांधीजी की सादगी,सरलता एवं सादा जीवन, सत्य और अहिंसा हम सबके लिए आज सबसे ज्यादा अनुकरणीय है।

महात्मा गांधी को हम सब भारत वासियों तथा सत्य और अहिंसा के पुजारियों की ओर से नमन श्रद्धांजलि एवं प्रणाम।

भू–संरक्षण कानून की पहल

–जयसिंह रावत–

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अगले बजट सत्र में सशक्त भू–कानून लाने की घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां कठोर कानून के अभाव में जमीनों की बेलगाम खरीद–फरोख्त जारी है। हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर–कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद–फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सनद् 2017 के बाद किए गए बार–बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया।

नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

यह धारणा इसलिये भी पुष्ट हुई कि नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा काश्तकारों की जमीनें बचाने के लिये 1950 के अधिनियम में संशोधन कर जो कानून बनाया गया था उसमें भी भाजपा की ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने 2018 में औद्योगीकरण के नाम पर उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950)(अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) की धारा 154, 143 एवं 129 में संशोधन कर इस कानून को लगभग निष्प्रभावी ही बना दिया था। उसके बाद फिर उसी भू–कानून की धारा 143 की उपधारा 'क' और 'ख' को हटाने से तिवारी द्वारा बनाये गये भू–कानून का प्रभाव समाप्त हो गया था। इन धाराओं में प्रावधान था कि अगर उद्योग के लिये हासिल की गयी जमीन का 2 साल के अन्दर उसी प्रयोजन के लिये उपयोग नहीं किया गया तो कलक्टर धारा 167 के तहत उस जमीन को जब्त कर सरकार में निहित कर लेगा।

अब मुख्यमंत्री धामी ने यह कह कर सशक्त भू–कानून की आशा फिर जगा दी कि उत्तराखंड (उत्तरप्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) में 2017 के बाद किये गये संशोधनों के लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। उस समय राज्य में 125 लाख करोड़ के पूंजी निवेश के इच्छापत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया कि संशोधनों से भूमि कानून में दी गयी शिथिलता के बावजूद औद्योगिक निवेश का मकसद हल नहीं हुआ।

दरअसल, इन्हीं संशोधनों के खिलाफ उत्तराखंड में जहां तहां लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सशक्त भू–कानून के लिये गठित सुभाष कुमार समिति की सिफारिशों की भी समीक्षा की जा रही है और सरकार अगले बजट सत्र में निश्चित रूप से एक सशक्त भू–कानून को पास करा देगी। समिति ने हिमाचल प्रदेश काश्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 118 से मिलती–जुलती 23 सिफारिशें कर रखी हैं।

उत्तराखंड में औद्योगीकरण के नाम पर सन् 2018 से लेकर अब तक प्राइम लैंड लगभग बिक चुकी है। जमीनों की बेतहाशा खरीद–फरोख्त नगरीय क्षेत्रों और उनके आसपास ही हुई है। इसीलिये भूमि कानून में धारा–2 रखी गयी थी। उस धारा के अनुसार कृषि भूमि की खरीद पर अंकुश वाला प्रावधान नगर निकाय क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है।

कटान की भेंट चढ़ी 150 बीघा कृषि योग्य भूमि व फसलें

संवाददाता–गोण्डा। राप्ती नदी के कटान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जलस्तर घटने के बाद नदी ने तेजी से कटान शुरू कर दी है। जिले के लगभग दो दर्जन से अधिक गांव के पास नदी तेजी से कटान कर रही है। नदी कटान को रोकने के समुचित उपाय किए जाने की बात तो प्रशासन कर रहा है, लेकिन सदर तहसील के नदी तटवर्ती करीब दो दर्जन गांव के पास हो रहे कटान को रोकने के कोई भी काम अब तक शुरू नहीं किए गए हैं। सदर तहसील के ढोंढरी, मुजहनी, टेंगनहिया व बलरामपुर देहात गांव के कई मजरों के समीप राप्ती कटान करती हुई पहुंच गई है। कटानरोधी कार्य शुरू न होने से तटवर्ती गांव के लोग भयभीत हैं। सदर क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन गांव में नदी 150 बीघा खेत को निगल लिया है।

चार दिन पूर्व हुई झमाझम बरसात एवं नेपाल से पानी छोड़े जाने के कारण राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ना शुरू हुआ। जलस्तर घटते ही नदी ने तेजी से कटान शुरू कर दी है। सदर तहसील के ढोंढरी, जमालीजोत, मुजहनी, जबदही, टेंगनहिया मानकोट, गुलामपुरवा, सरदारगढ़, मदारा, गौरी समेत दर्जन भर गांवों के समीप नदी कटान करते पहुंच गई है। कटान के डर से ग्रामीण भयभीत हैं। प्रशासन की ओर से कटान को रोकने का कोई उपाय न शुरू होने से तटवर्ती गांव के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही नदी ने गांव की ओर कटान करना शुरू कर दिया था। कटान से प्रभावित गांव के लोगों ने जन प्रतिनिधियों सहित जिले के उच्चाधिकारियों से मिलकर कटान को रोकने की गुहार लगाई, लेकिन प्रशासन की ओर से कटान को रोकने का कोई उपाय शुरू नहीं किया गया। कटान प्रभावित गांव के लोगों का कहना है कि यदि नदी कटान का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो जल्द ही सरदारगढ़ गांव के पास प्राथमिक विद्यालय नदी में समा जाएगा। टेंगनहिया के ग्रामीण नूरुलहुदा, अकरम, गोली, सहाबुद्दीन व मंशाराम ने बताया कि नदी गांव के एकदम समीप पहुंच गई है। पिछले दो दिनों से नदी ने फिर कटान तेज कर दी है। यदि कटान का सिलसिला इसी तरह चलता रहा तो लगभग एक दर्जन घर कटान की भेंट चढ़ जाएंगे। टेंगनहिया के ग्रामीणों की मानें तो पिछले वर्ष कटान के चलते करीब आधा दर्जन घर नदी में समा गए थे। बावजूद इसके प्रशासन की ओर कटान रोकने का कोई भी उपाय नहीं कराया गया। संजीव कुमार यादव, सदर एसडीएम ने कहा कि राप्ती नदी के कटान की सूचना तटवर्ती गांव के लोगों के माध्यम से मिली है। बाढ़ खंड के अधिकारियों को कटान स्थल को चिन्हित करते कटानरोधी कार्य कराने का निर्देश दिया गया है।

करनैलगंज में लखनऊ हाईवे पर मंगलवार सुबह हादसे के बाद मची अफरा–तफरी

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–लखनऊ हाईवे पर स्थित श्रीराम फिलिंग स्टेशन के स्थित एक डंपर के अचानक सड़क पर आ जाने से पीछे से आ रही यात्रियों से भरी डबल डेकर बस उससे भिड़ गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक समेत कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। जबकि, बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लिया है। विधिक कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर का इंतजार है।

घटना मंगलवार की सुबह की बताई जा रही है। दिल्ली से गोंडा आ रही वंदे भारत लिखी निजी डबल डेकर बस लखनऊ हाईवे पर शिवानी ट्रांसपोर्ट के सामने एक मोरंग लदे डंपर में उस समय भिड़ गई जब डंपर अचानक सड़क पर आ गया। हादसे में दोनों वाहनों के चालक समेत कुछ यात्रियों को मामूली चोटे आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद हाईवे की एक लेन पर आवाजाही कुछ देर के लिए ठप हो गई। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गये। आनन फानन में चोटिल यात्रियों को बस स्टाफ ने प्राइवेट अस्पतालों में उपचार के लिए भेजा। हादसे में बस पर सवार यात्री बाल–बाल बच गए। इन अवैध तरीके से चल रहे डबल डेकर बसों और सड़कों पर बेतरतीब खड़े गिट्टी मोरंग लदे ट्रकों से आए दिन हादसे हो रहे हैं। इसको लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

धड़ल्ले से अवैध रूप से संचालित हो रही निजी बसेंरू गोण्डा, करनैलगंज सहित जिले में कई जगहों से देश के दूसरे प्रदेशों के लिये डबल डेकर बसों का संचालन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। वहीं गोण्डा जरवल फोरलेन पर करनैलगंज से जरवल के बीच संचालित ट्रांसपोर्टों के सामने हाइवे पर अवैध तरीके से बालू व मोरंग गिटटी से लदे ट्रकों व डंपरों को खड़ा किया जा रहा है। इससे कस्बे में कई हादसे हो चुके हैं। इस संबंधा में कोतवाल श्रीधर पाठक ने बताया कि अभियान चलाकर अवैध डबल डेकर बसों एवं ट्रांसपोर्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

श्रीराम आश्रम के महंत प्रभुदास शास्त्री को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अवध धाम के रामकोट मोहल्ला स्थित श्रीराम आश्रम के साकेतवासी महंत प्रभूदास शास्त्री महाराज को पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किया गया। मंगलवार को अयोध्यानगरी के संत–धर्माचार्यों ने उनके चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पूर्वाचार्य महंत के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। श्रीरामाश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत जयराम दास महाराज ने कहा कि उनके गुरूदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। उनकी गणना विद्वानों में होती रही है। विद्वता में उन्हें महारथ हासिल था। रामनगरी के सभी संत–महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते रहे हैं। आज के समय में उनके जैसा संत मिलना बहुत ही मुश्किल है।

उन्होंने बताया कि भले ही वह हम लोगों के बीच में नही हैं। लेकिन उनकी यश व कीर्ति हमेशा रहेगी। उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। मैं भी गुरूदेव की बतलाई हुई बातों और मार्ग का अनुसरण कर मंदिर के उत्तरोत्तर विकास में संकल्पित हूं। इस अवसर पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, रामकचेहरी महंत शशिकांत दास, वैद्य मंदिर महंत राजेंद्र दास, रामप्रिया कुंज महंत उद्धव शरण, सरयू कुंज में राममिलन शरण, सीताकांत सदन महंत रामानुज शरण, गोविंद आश्रम महंत वीरेंद्र दास, श्री राम कृष्ण मंदिर महंत महामंडलेश्वर गणेशानंद दास ,छत्तीसगढ़ आश्रम महंत रामेश्वर दास, सीतावल्लभ कुंज उत्तराधिकारी स्वामी छविराम दास, सार्वभौम आश्रम महंत जनार्दन दास सहित सैकड़ों संतों महंतों ने महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री राम नगरी अयोध्या के राजेंद्र निवास पर रामलीला का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या के स्वर्ग द्वारा स्थित राजेंद्र निवास प्रांगण में अयोध्यास्थ श्री रामलीला महोत्सव समिति द्वारा आयोजित रामलीला में सोमवार को देर रात रामलीला का शुभारंभ किया गया जिसमें प्रथम दिन नारद मोह का प्रसंग देख मंत्र मुक्त हुए लोग। रामलीला का शुभारंभ समितिके महामंत्री रंग महल पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास महाराज ने किया इस अवसर पर श्री महाराज जी ने कहा कि भगवान श्री राम के चरित्र को अपने जीवन में उतार कर हम संत लोग जीते हैं और समाज को उपदेश देते हैं राजेंद्र निवास की रामलीला बरसों पुरानी है और इसका निरंतर चलते रहना यह बता रहा है कि निश्चित रूप से हम लोग राम के चरित्र को बार–बार देखने और सुनने के लिए लालायित रहते हैं इसलिए जितनी बार हम लोग रामलीला को देखते हैं निश्चित ही वह नया दिखाई देता है। हम लोगों को इस रामलीला को निरंतर जारी रखना के लिए संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि राम के चरित्र को जितनी बार देखा जाए उतना कम है और जितनी बार देखा जाएगा संतो को निश्चित रूप से उसमें नया रस मिलेगा और भगवान की कृपा प्राप्त होगी।

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव लोचन शरण महाराज ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान समय में रामलीला को जीवंत रखना हम संतो का कर्तव्य है लेकिन दिनों दिन यह कठिन होता जा रहा है संघर्ष तो करना पड़ता है लेकिन कभी रामलीला के लिए अर्थ की कमी नहीं आती है उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोगों का मैं स्वागत सत्कार करता हूं और अयोध्या के संतो आभार व्यक्त करता हूं कि वह राजेंद्र निवास की रामलीला में रुचि दिखाते हैं रामलीला देखने के लिए आते हैं। ऐसी अपनी रुचि बनाए रखें जिससे हम कमेटी वालों का उत्साह वर्धन होता रहे और रामलीला बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 30 सितंबर से प्रारंभ होकर 14 अक्टूबर तक चलेगी। कोषाध्यक्ष डॉ प्रभाकर ने आए हुए अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर महंत रवि शंकर शरण , भाजपा के वरिष्ठ नेता आलोक मिश्रा, चंद्रकांत अवस्थी राजू अवस्थी महंत विनोद शरण , पुष्कर लोचन, राम किशोर तिवारी, चिंटू पांडेय, प्रिया दास सैकड़ो की संख्या में साधु संत मौजूद रहे।

सनातन धर्म संस्था–बस्ती की पहल– बाल कलाकारों द्वारा श्रीरामलीला महोत्सव 3 से

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।सनातन धर्म संस्था, बस्ती द्वारा आयोजित पंचम वर्ष का श्री रामलीला महोत्सव इस बार पूरी भव्यता के साथ होगी। 03 नवम्बर से श्री रामलीला का शुभारंभ होगा और 12 नवम्बर को भगवान श्रीराम के राज्यभिषेक के साथ श्रीराम लीला पूर्ण होगी। इस वर्ष भी श्री रामलीला महोत्सव के मंचन का स्थान– बस्ती क्लब मैरेज हाल के खुले प्रांगण में किया जाएगा। आयोजन समिति की ओर से प्रेस क्लब में हुई पत्रकार वार्ता में समिति के सदस्य कर्नल के सी मिश्र ने बताया कि 03 नवम्बर को विघ्नहर्ता श्री गणेश जी के पूजन के साथ श्री रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा। उन्होंने बताया कि इस बार का कार्यक्रम विशेष होने वाला है क्योंकि इस बार जिले के 18 विद्यालयों के लगभग 600 बच्चे मंचन करेंगे। मंचन को सुंदर बनाने के लिये श्री धनुषधारी रामलीला मण्डल अयोध्या धाम का सहयोग लिया गया है। प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय के शिक्षक गण प्रशिक्षक के रूप मे विद्यालय के बच्चों को मंचन हेतु तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बस्ती का जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, उपजिलाधिकारी बस्ती, नगरपालिका अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बस्ती आदि का सहयोग कार्यक्रम को सुंदर बनाने में उपयोगी साबित हो रहा है।

समिति के सदस्य कैलाश नाथ दूबे ने बताया कि भगवान श्री राम इस संसार की आत्मा हैं, मनुष्य के रूप में नारायण के अवतार में मनुष्यों में सबसे अधिक मर्यादित व उनका जीवन चरित्र सर्वोत्तम है, उनके जीवन से सहजता से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी भगवान राम के आचरण, उनके चरित्र, उनके गुणों को धारण करे, अधर्म के मार्ग पर चलने बचे, धर्म व सत्य के मार्ग का अनुसरण करे, पिता, माता, जन्मभूमि, राष्ट्र, धर्म के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें। जिस प्रकार से भगवान श्री राम जी ने वनवासी जनजातियों, कोल कोल भीलों आदि के साथ मिलकर जाति– पाति, ऊंच–नीच का भेद मिटाकर सबको धर्म से जोड़ा उसी तरह आने वाली पीढ़ी उनके आचरण को अपनाकर समाज के शोषित, वंचित लोगों का सहयोग करे उन्हें सनातन धर्म से जोड़े और भारत की अखंडता हेतु शस्त्र व शास्त्रों की विद्या में रुचि लें जिससे संसार का कल्याण हो सके। उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम जी का जीवन ही सहजता से ग्रहण करने योग्य व सर्वविधि कल्याणकारी है, इसलिए यह महामहोत्सव 600 बच्चों उनके 600 परिवारों, शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ हजारों की संख्या में प्रभु भक्ति के पावन रस का अमृतपान करने वाले दर्शकों के लिए अमूल्य निधि बन रहा है।

उन्होंने कहा वर्तमान समय में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सम्पूर्ण जगत के कल्याण के लिये मानव मात्र के उत्थान के लिए दिया गया श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान होना सबको आवश्यक है। श्री कृष्ण अर्जुन संवाद के माध्यम से नई पीढ़ी के द्वारा सर्व समाज को गीता जी के मंत्रों से दिया जाने वाला उपदेश बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा।

कैलाश नाथ दूबे ने कहा कि सनातन धर्म संस्था, शाशन प्रसाशन की अनुमति और उनके निर्देशों का पालन करते हुए विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति व धर्म पर आधारित यह महोत्सव आयोजित कर रही है। नई पीढ़ी इससे जुड़ सके इसके लिए भी श्री रामलीला आयोजन समिति के सदस्य ध्यान दे रहे हैं।

समिति के सदस्य डा. शैलेश सिंह ने कहा कि प्रभु श्री राम जगत के रक्षक है उनकी लीला देखकर हम हर दिन बहुत कुछ सीखेंगे। उन्होंने परिवार के साथ श्री रामलीला महोत्सव में आने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम अपनी परंपरा को बनाए हुए हैं और जन जन को श्री राम जी से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरे परिसर में स्वच्छता और लाइट आदि की व्यवस्थाएं ठीक कराएंगे।

उन्होंने बताया कि आयोजन समिति के लोग टोली बनाकर नगर के मोहल्लों में प्रभात फेरी के माध्यम से प्रचार में लगेंगे, धर्म प्रिय जनता अभी से इस कार्यक्रम के लिए बहुत ही उत्सुक दिख रही है। उन्होंने समाज के सभी धार्मिक जनों से सहयोग व श्री राम लीला महोत्सव में आने की अपील की है।

प्रेस वार्ता में मुकतेश्वर नाथ आजाद, अंकुर यादव, डा. वीरेंद्र तिवारी, अतुल चित्रगुप्त, अखिलेश दूबे, राम दरश प्रजापति, आदर्श त्रिपाठी, अनुराग शुक्ल, पंकज त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

कम्पोजिट विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा के निर्देशन में मंगलवार को आयोजित किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में संविलियन विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय के 84 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ अंक पाने वाले 10 बच्चों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। उत्साहवर्ध हेतु बीईओ ने सभी बच्चो को सांत्वना पुरस्कृत दे कर प्रमाण पत्र सौपा।

प्रतियोगिता तीन चरणों में पूर्ण हुई। प्रथम चरण में विज्ञान व गणित के बहुविकल्पीय प्रश्नो पर आधारित आंकलन किया गया। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में चयनित छात्र छात्राओं का बहुविकल्पीय व लद्युउत्तरीय प्रश्नो पर आधारित आकंलन किया गया। तृतीय चरण में द्वितीय चरण में चयनित छात्र छात्राओं का विषय आधारित साक्षात्कार किया गया। प्रतियोगिता अधिकतम 50 अंक की थी। प्रतियोगिता को लेकर छात्र छात्राओं में बेहद उत्साह देखने को मिला। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चो को बीईओ ने सील्ड व नगद पुरस्कार दे कर पुरस्कृत कर उत्साह बढ़ाया।

–प्रतियोगिता से बच्चों का होता है बौद्धिक विकास– अर्जुन प्रसाद

बच्चों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता से बच्चों का उत्साह वर्धन के साथ–साथ बौद्धिक विकास होता है। वर्तमान समय में जो विकास हो रहा है वह विज्ञान की ही देन है। आप लोग भी एक दिन उस मुकाम को हासिल कर ब्लाक व जनपद का नाम रोशन करें। चयनित बच्चों संबंधित साइंस मॉडल तैयार कर जनपद स्तर पर प्रतिभा करने की तैयारी बनाएं।

प्रतियोगिता में एआरपी राजेंद्र यादव, आदर्श मणि त्रिपाठी, दिलीप कुमार, हरिराम यादव, राजेश गुप्ता, अजय कुमार मौर्य, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव, प्रभात यादव, शिवकुमार मौर्य, भोलेंद्र यादव, कमलेश तिवारी, मनीराम, बंटी ,राकेश कुमार सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

जय प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज उपाध्याय के साथ ही शिक्षक राधेश्याम सिंह, रश्मि सिंह, मुकेश कुमार, जितेंद्र मौर्य व अवधेश वर्मा आदि ने उपस्थित रहकर प्रतियोगिता में सहयोग किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत केशवपुर
विकास खण्ड हर्रैया-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 02.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-श्रीमती अनीता चौधरी	सचिव/ग्रां.प्र.अ.-राम सुभाष चौधरी
ग्राम पंचायत-केशवपुर	ग्राम पंचायत-केशवपुर
विकास खण्ड-हर्रैया, बस्ती	विकास खण्ड-हर्रैया, बस्ती

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा खास
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 02.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-हाकिम सिंह	सचिव/ग्रां.प्र.अ.-सर्वेश
ग्राम पंचायत-पिपरा खास	ग्राम पंचायत-पिपरा खास
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती	विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत हिनौता
विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 02.10.2024 से 08.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.10.2024 सायं 12:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-मो० जावेद	सचिव/ग्रां.प्र.अ.-मदन गोपाल पाण्डेय
ग्राम पंचायत-हिनौता	ग्राम पंचायत-हिनौता
विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती	विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /30.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

टहलने निकली युवती और छात्रा लापता, मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। एक गांव की एक युवती और छात्रा शनिवार को लापता हो गईं। दोनों के मां की तहरीर पर मंगलवार को कैंपियरगंज थाने में पुलिस छह लोगों पर केस दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। दोनों युवतियों की मां ने तहरीर में लिखा है कि शनिवार शाम करीब 6:30 बजे कक्षा आठ में पढ़ने वाली छात्रा 20 वर्षीय युवती के साथ टहलने निकली।

आरोप है कि गांव के कुछ मनबढ़ों ने उनका अपहरण कर लिया है। आरोपियों के घर जाने पर वे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है, बहुत जल्द आरोपियों को पकड़कर युवती और छात्रा को ढूंढ निकाला जाएगा।

सपा सांसद बोले, मुसलमान होने के कारण मोईद खान को बदनाम करना चाहती थी भाजपा –अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म कांड में आरोपी बनाए गए मोईद खान का डीएनए मैच न होने पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा मुसलमान होने के कारण मोईद खान को बदनाम करना चाहती थी इसलिए इस मामले को उठाया गया। भाजपा सरकार मुस्लिम विरोधी है। दलित विरोधी है। संविधान और गरीब विरोधी है। हमारे नेता अखिलेश यादव को पहले भी शक था इसलिए उन्होंने डीएनए टेस्ट की मांग की थी। अब सच सामने आ गया है। बता दें कि दुष्कर्म कांड को लेकर कराई गई डीएनए जांच में सपा नेता मोईद खान के नौकर राजू के साथ पीड़िता की डीएनए रिपोर्ट मैच हो गई है। हालांकि सपा नेता के साथ पीड़िता का डीएनए

मैच नहीं हुआ, लेकिन सामूहिक दुष्कर्म के मामले में किसी एक आरोपी के साथ रिपोर्ट मैच हो जाने से अपराध की पुष्टि होती है। मेडिकल साइंस से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार यदि एक आरोपी 70 वर्ष का है और दूसरा 25 वर्ष का तो युवा आरोपी से डीएनए मैच होने की संभावना अधिक होती है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की अदालत में सोमवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले की सुनवाई हुई। आरोपी सपा नेता और उसके नौकर की डीएनए रिपोर्ट पेश की गई। अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान 21 सितंबर को फोरेंसिक लैब के निदेशक को एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। अपर महाधिवक्ता विनोद शाही ने बताया कि मुख्य आरोपी के नौकर से डीएनए रिपोर्ट मैच होने से अपराध की पुष्टि होती है। उन्होंने कहा कि पीड़िता ने आरोप लगाया था कि सपा नेता ने पीड़िता के साथ रेप किया और उसके नौकर ने घटना का वीडियो बनाया था। वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर पीड़िता के साथ कई बार गैंगरेप किया गया।

महंत नृत्यगोपाल दास के स्वास्थ्य में सुधार, मणिराम दास छावनी ने अफवाह का खंडन किया

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष व मणिराम छावनी के पीठाधीश्वर महंत नृत्यगोपाल दास के स्वास्थ्य में सुधार है। मणिराम दास छावनी ने बयान जारी किया। महंत नृत्य गोपाल दास स्वस्थ सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाह का खंडन किया।

रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष व मणिराम छावनी के पीठाधीश्वर महंत नृत्यगोपाल दास के स्वास्थ्य में सुधार है। मणिराम दास छावनी ने बयान जारी किया।

महंत नृत्य गोपाल दास स्वस्थ सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाह का खंडन किया। कहा गया है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष और मणिराम दास छावनी महंत पूज्य नृत्यगोपाल दास जी के स्वास्थ्य में सुधार है। वह पिछले पांच दिनों से अपने निवास स्थान मणिराम दास छावनी अयोध्या में ही रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।

मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि मंगलवार को सोशल मीडिया और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचार तंत्र

के माध्यम से उनके स्वास्थ्य को लेकर भ्रामक समाचार चलाये जा रहे हैं जो चिंतनीय और खेद पूर्ण हैं। भक्तों और महाराज जी के शिष्यों से अपील है कि वह इस प्रकार के भ्रमपूर्ण कुप्रचारों पर ध्यान ना दें।

आपको बता दें कि अयोध्या के महंत नृत्यगोपाल दास को यूरीनरी और मुंह के रास्ते कम आहार लेने की समस्या के चलते आईसीयू में भर्ती किया गया था। स्थिति में सुधार न होने के चलते उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थिति में कुछ सुधार हुआ तो उन्हें डिस्चार्ज किया गया। हालांकि उनका उपचार जारी है।

मेरे भाई राना नागेश सिंह को हत्या के मामले में–फसाया जा रहा है– सिम्मी सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजनीति में सब कुछ जायज है यह कहावत पूर्वजों द्वारा हमेशा कहा जाता है। जनपद में शक्ति सिंह हत्याकांड को लेकर तमाम प्रकार की चर्चाएं होना शुरू हो गया है और लोगों में यह भी चर्चा है की राणा कृष्ण किंकर सिंह के मरने के बाद उनके बेटे ने राजनीति में अपनी छाप बनाना शुरू कर दिया था और तेजी से राजनीति में आगे बढ़ते जा रहे हैं वहीं और सभी लोगों का कहना है की पूर्व विधायक कृष्ण किंकर सिंह राणा के मरने के बाद उनके बेटे ने लगातार अपने घर दो कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें भीड़ देखकर राजनीति के लोग इनके पीछे पड़ चुके हैं और इन्हें अन्य षड्यंतों के तहत फंसा कर जेल भेजने की कोशिश किया जा रहा है वही उनके बहन सिम्मी सिंह का कहना है कि उनके परिवार और भाई के ऊपर लगे कथित हत्या के आरोप झूठे हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से राना नागेश सिंह की बहन सिम्मी सिंह ने कहा है कि मृतक के परिवार से वर्तमान में कोई भी अपराधिक मामले नहीं थे जिन रमेश सिंह का नाम लिया जा रहा है हमारे पिताजी ने हर संभव मदद उनकी की थी यहां तक कि उनके ब्रह्मभोज में भी हमारे पिताजी ने आर्थिक सहयोग से लेकर और भी व्यवस्थाओं का इंतजाम किया था । मुझे अखबारों से पता चला कि मृतक के भाई ने कहा है कि देश आजाद हो गया परंतु रानीपुर कभी आजाद नहीं हुआ इस संबंध में मैं आप लोगों को बताना चाहती हूं कि जब आप पहलवान सिंह के दौर में जाएंगे तो आपको पता चलेगा कि इस परिवार का हनक और रुतबा कितना था। 50 से 60 बीघा खेत हनक और रूतबे के बल पर पूरे जवार के गरीब किसानो से उनके बैल द्वारा एक ही दिन में जबरन जुतवाए जाते थे। जब कलवारी से बस्ती आने के लिए तांगे का प्रयोग होता था उसे समय अगर कोई तांगा कलवारी से बस्ती आ रहा है सवारी लेकर तो उसे बेलाड़ी उतारकर उसी तांगे से पहलवान सिंह बस्ती जाया करते थे। पहलवान सिंह और शक्ति सिंह तक आपराधिक मुकदमों की अगर बात की जाए तो सबसे पहले सन 1960–61 में पहलवान सिंह के द्वारा उनके घर रह रहे हरवाह सबदुल को मार कर पहलवान सिंह के द्वारा बंगाली शुक्ला गोमती सिंह राम नारायण

सिंह को फसाया गया। 1960 में ही पहलवान सिंह ने टिकोरी पाण्डेय को जो बक्सर के रहने वाले थे उनकी निर्ममता से आंख निकाल लिया जिसमें उन्हें 7 साल की सजा हुई थी 1961 में रामबदन सिंह की हत्या में 307 के मुलाजिम बने और 5 साल की सजा भी हुई थी। 1970 में हीरा चौधरी की हत्या रिठिया पर हुई जिसमें फर्जी तरीके से मेरे पिताजी को फसाया गया इसके बाद 1968 में अपने हाथ में स्वयं अपने से बम मारकर मेरे पिताजी को फर्जी तरीके से मुलजिम बनाएं और इसी मामले में राज बहादुर सिंह को फर्जी गवाह बनाने का दबाव बनाया गया । जब राज बहादुर सिंह इस गवाही से मुकर गए तो पहलवान सिंह ने उनकी भी हत्या कर दी जिसमें भी 302 के मुलजिम थे, रमेश सिंह की अगर बात की जाए तो 1981में दान बहादुर सिंह की हत्या में मुलजिम रहे जेल गए 1985 में कुलदीप श्रीवास्तव की हत्या में 302 के मुलजिम थे, जिसका केश अभी भी चल रहा है बाबूराम वर्मा के बेटे की हत्या हुई जिसमें लाश नहीं बरामद हुई और 302 के मुलजिम बने और जेल भी गये। गांव के ही रामपाल हरिजन की हत्या में रमेश सिंह 302 के अकेले मुलजिम है। वर्तमान में अगर मृतक शक्ति सिंह की बात की जाय तो इसका ताण्डव पूरे गांव में था। हरिजन बस्ती में कोई परिवार अपने आप को सुरक्षित नही मानता था । हमारे गांव के हीरा हरिजन की लड़की के साथ कई दिनों तक बलात्कार करता रहा और उस मामले में 376 का मुलजिम है और 7 साल की सजा हुई जो काफी बड़ा मामलाहुआ था। इसी मामले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्षा रीता बहुगुणा जोशी का भी आना हुआ था। शक्ति सिंह जिला बदर अपराधी था। शक्ति सिंह का भाई अपने ही पटिदारी के राजू सिंह की निर्मम हत्या उनके दरवाजे पर ही कर दिया। जिनके 3 नाबालिक बच्चे हैं। उक्त अपराध में वह जेल में सजा काट रहा है। गांव के ही मनोज अमन और प्रदीप मारपीट मामले में शक्ति सिंह विक्रम सिंह रमेश सिंह सहित पूरा परिवार 307 का मुलजिम है। आपको बता दें कि जब रमेश सिंह बीडीसी का चुनाव लड़ना चाह रहे थे उस समय इन्हें चुनाव नहीं लड़ने दिया जा रहा था उस मामले में विपक्षी द्वारा इन्हे जब मारापीटा गया और पर्चा दाखिला जब नही करने दिया जा रहा था तब यह हमारे घर पिता जी के पास आकर मदद मांगा और सुलह समझौता किया और पिताजी से सहयोग मांगा उस समय पिताजी ने पुरानी सभी रंजिशों को समाप्त कर इन्हें गले लगाया और इनको चुनाव लड़वाया, पर्चा दाखिला करवाया, प्रचार करवाया, उसके बाद पिताजी ने इन्हें डायरेक्टरी का भी चुनाव लड़वाया। दोनों परिवारो में इस दौरान कोई भी मन–मुटाव नही था। आगे चलकर जब रमेश सिंह का स्वास्थ्य गड़बड़ हुआ तो पिताजी के द्वारा पीजीआई में इनका लगातार इलाज करवाते रहे। यहां तक की मेरा भाई भी पी०जी०आई० ले जाकर इलाज करवाता था । मेरे घर से जब तक वह जिंदा थे पीने के लिए फिल्टर का पानी जाता था। क्योंकि वह किडनी की बीमारी से ग्रसित थे, आपको जानकर हैरानी होगी कि पिताजी के द्वारा ही मृतक शक्ति सिंह के भाई की शादी करवाई। इनके बहन कंचन की भी शादी पिताजी ने ही करवाई।

यह सर्व विदित है सब लोग जानते हैं यही नहीं रमेश सिंह की मृत्यु के बाद पिताजी ने ही उनके ब्रह्मभोज में 50 हजार रुपए नगद सहित हर सम्भव सहयोग किया। अभी जब मैं गांव आई तो पता चला कि शक्ति सिंह और विक्रम सिंह की रोज आपसी मारपीट होती है। यहां तक की शक्ति सिंह अपनी भाभी को भी मारता–पीटता है जिसके डर से उसका भाई विक्रम अपनी पत्नी को लेकर अवैध रूप से संचालित आरा मशीन पर रहता है। क्योंकि दोनो में संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था और उस मामले में बटवारा भी दाखिल हुआ है जिसमें 28 या 29 तारीख को बंटवारे पर कुछ फैसला भी होना था और उसके पहले यह घटना हो गई कहीं यहां आपसी रंजिश का भी मामला हो सकता है क्योंकि वह मेरे पिताजी की मृत्यु के बाद लगातार भाई को धमकी देता था और गाली गलौज भी करता था फिर भी हम लोग हमेशा शांत रहे क्योंकि उसे परिवार को अपना परिवार माना जाता था इसलिए कहीं ना कहीं या घटना सोच समझ कर राजनीतिक दोष बस भी जा सकती है और इसमें मेरे परिवार मेरे भाई को फसाने का साजिश की जा रही है ।

सिम्मी सिंह ने कहा है कि प्रशासन को एक बार सभी बिंदुओं पर विचार करते हुए अग्रिम कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी युवाओं की –आनंदीबेन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। टीम प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्हें शिक्षा के प्रति गंभीर होना पड़ेगा। शिक्षा से ही देश का विकास संभव है और इसकी जिम्मेदारी युवाओं की ही है। सिद्धार्थ विवि में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने के लिए उन्होंने प्रोजक्ट बनाने को कहा।

उन्होंने कहा कि एक से दो करोड़ का अनुदान मिलेगा। ये बातें उन्होंने मंगलवार को सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु के आठवें दीक्षांत समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने ऐसे छात्रों की विदेश में पढ़ाई आसान की है जो आर्थिक दिक्कत की वजह से नहीं पढ़ने जा सकते था। उन्होंने कहा कि एमओयू भरा कर विदेश से ऑनलाइन शिक्षा देने की शुरुआत की है। यह ऐसा कदम है जिससे दुनिया के किसी भी देश से शिक्षा ग्रहण करना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के प्रति गंभीर है। उन्होंने कहा कि मैं आज हवाई मार्ग से दीक्षांत समारोह में भाग लेने आई हूं तो देखा कि बाढ़ आई हुई है। बाढ़ से नुकसान भी हो रहा होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को कृषि के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने की जरूरत है। रोजगार के सर्वाधिक अवसर कृषि में ही हैं। उन्होंने युवाओं से इस ओर कदम बढ़ाने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि इस बार 58161 छात्रों को उपाधि मिली है इनमें से छात्रों की संख्या मात्र 38 फीसदी ही हैजबकि छात्राओं की तादाद 62 फीसदी है। उन्होंने बताया कि 30 को पीएचडी की उपाधि दी गई है इसमें भी छात्राएं आगे हैं। 22 छात्राओं को जबकि आठ छात्रों को पीएचडी की डिग्री मिली है। उन्होंने कहा कि लिंग अनुपात में भले ही लड़कियां पीछे हैं लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में वह लड़कों से काफी आगे हैं। लड़कों को भी इस दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाना चाहिए जिससे वह भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे रहें। उन्होंने कहा कि मेडल जिन्हें नहीं मिला है वह निराश न हों। कुछ नंबर से ही लोग आगे पीछे हो जाते हैं। अगर थोड़ी मेहनत और की आगे आप का नंबर होगा। उन्होंने आंगनबाड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि आंगनबाड़ केंद्रों पर बच्चों के बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था हो रही है। बच्चे नीचे नहीं बैठेंगे। उन्होंने सिद्धार्थनगर व श्रावस्ती जिले के चयनित सौ आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों में मल्टी किट भेंट किया। मल्टी किट में सूई–धागा से लेकर मेडिकल के सामान भी हैं। इस दौरान मुख्य अतिथि केंद्रीय उच्च तिब्बत संस्थान वाराणसी के कुलपति प्रो डॉ. वड़ छुग दोर्जे नेगी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति कविता शाह, कुल सचिव अमरेंद्र कुमार सिंह, यूपी विस में नेता प्रतिपक्षा माता प्रसाद पांडेय, विधायक श्यामधनी राही, विधायक सैय्यदा खातून, डीएम डॉ. राजा गणपति आर, एसपी प्राची सिंह आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राजभवन की ओर से सिद्धार्थ विवि को दी गई बस से आने–जाने वाले छात्रों को किराया नहीं देना होगा। छात्रों को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर इससे इतर चाहे टूर हो या अन्य किसी काम में बस का प्रयोग होता है तो उसका निर्धारित किराया देना होगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा306/2024
D 202417170000306
धारा 30 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत– श्रीमान ए0डी0एम0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मो0 हुसेन
बनाम
ग्राम पंचायत पैड़ा खरहरा

1. ग्राम पंचायत पैड़ा खरहरा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. मुख्तार अली पुत्र शोहरत अली साकिन पचदेवरी तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. राज्य उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 17–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 01 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0– C 201917000000720
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

श्रीमती कुन्जन देवी आदि
बनाम
चन्द्रदेव आदि

1. चन्द्रदेव पुत्र हरीराम पाण्डेय तथाकथित दत्तक पुत्र गोविन्दनाथ निवासी बसवार तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर 2/1 श्रीमती प्रेमलता पत्नी स्व0 राजेश्वर 2/2 कुमारी सुप्रिया पुत्री स्व0 राजेश्वर 3. कमलेश्वर पुत्र श्याम सुन्दर 4. शशिभूषण पुत्र जगदीश साकिन मौजा मानिराम तप्पा मराही चदौर परगना हवेली तहसील व जिला–गोरखपुर
–उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग
5. सत्यदेव पुत्र कल्पनाथ साकिन छपवा तप्पा बेलहरा तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर 6. गौकरन पुत्र मनशी पाण्डेय साकिन भरवलिया पाण्डेय तप्पा व तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 453/1994

अनिल कुमार
बनाम
शीतला प्रसाद आदि

3/1 श्रीमती विमला देवी विधवा दिग्विजयनाथ 3/2 शिवाजी 3/3 राकेश पुत्रगण स्व0 दिग्विजयनाथ 3/4 प्रीती पुत्री दिग्विजयनाथ साकिनान पचानू तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रतिकर वाद सं0–269/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

पांचू
बनाम
सालिकराम

1. सालिकराम पुत्र रामलौट साकिन सिरकहिया पो0 सुकरौली चौधरी थाना हर्रैया जिला–बस्ती पिन कोड 272155 (वाहन स्वामी मोटर साईकिल नं0 UP51 के0 8306
2. वुधिराम पुत्र श्रीराम लौट साकिन सिरकहिया पो0 सुकरौली चौधरी थाना हर्रैया जिला–बस्ती पिन कोड 272155 (वाहन चालक नं0 UP51 के0 8306

तारीख पेशी 04–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 235/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती मन्जू देवी
बनाम
श्रीमती कौशिल्या उर्फ रेखा श्रीवास्तव

1. श्रीमती कौशिल्या उर्फ रेखा श्रीवास्तव पत्नी विरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव निवासी नेवादा तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 253/2012

श्यामराजी
बनाम
अनारा आदि

2/1 राजेन्द्र प्रसाद 2/2 बबलू पुत्रगण स्व0 राम दुलारे ग्राम भेलवल तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 407/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अब्दुल्लाह
बनाम
जाहिदा आदि

1. जाहिदा पत्नी बशी उल्लाह
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग
2. वसीउल्लाह पुत्र मजीबुल्लाह 4. हुसेन अहमद पुत्र मजीबुल्लाह
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
साकिनान मौजा किठिऊरी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 23/2020
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

पुष्पा बनर्जी
बनाम
राम प्रकाश सिंह आदि

4/1 राजेश कुमार वर्मा 4/2 दिनेश वर्मा 4/3 मुकेश वर्मा पुत्रगण स्व0 रामसूरत वर्मा 4/4 श्रीमती ज्योति वर्मा पत्नी स्व0 रामसूरत वर्मा साकिन हाल मुकाम मेसर्स वर्मा आटिकल कम्पनी गांधी नगर बस्ती (सीतापुर ऑख अस्पताल के बगल में) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com